www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 270 || लखनऊ
शनिवार
03 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:26
अधिकतमः 17°00
न्यूनतमः 09°00

पेज 03

विशेष समाचार
उत्तराखंड के लिए साल का अंत ... >> पेज 02
रेलवे की जमीन से 440 झोपड़ियां ... >>पेज 04
2026 में ब्लॉकबस्टर धमाका करेंगे अक्षय ...

सीएम योगी बोले- कोई भी खुले में ना सोए, लखनऊ में रैन बसेरों को चेक करें
यूपी में 12वीं तक स्कूल 5 जनवरी तक बंद

सीएम योगी ने कहा- आदेश आईसीएसई, सीबीएसई, यूपी बोर्ड के सभी स्कूलों पर लागू होगा। अधिकारी क्षेत्र में रहें। कंबल और अलाव का इंतजाम करें। कोई भी व्यक्ति खुले में सोते न मिले। रैन बसेरों में सभी व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अधिकारी रैन बसेरों का औचक निरीक्षण करें। इससे पहले सीएम ने 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक 12वीं तक स्कूल बंद करने के आदेश दिए थे। प्राइमरी स्कूलों में एक से 14 जनवरी तक छुट्टी पहले से ही घोषित है।

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश। यूपी में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। पूरा प्रदेश घने कोहरे की चपेट में है। बढ़ती ठंड को देखते हुए योगी सरकार ने 12वीं तक के स्कूल-कॉलेज 5 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए हैं। इससे पहले नए साल पर मथुरा, हाथरस, बदायूं और फर्रुखाबाद समेत कई जिलों में हल्की बारिश बारिश हुई।

>> (शेष पेज 04 पर)

कंबल और अलाव की व्यवस्था ठीक करें

मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों में कंबल वितरण और अलाव की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। खासतौर पर गरीब, निराश्रित और सड़क किनारे रहने वाले लोगों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचाई जाए। रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर, कंबल, हीटर और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है।

4 दिन भीषण कोल्ड-वेव की चेतावनी

मौसम विभाग ने अगले 4 दिन भीषण कोल्ड-वेव की चेतावनी जारी की है। घने कोहरे के बीच सुबह और रात के समय विजिबिलिटी बेहद कम रह सकती है। लोगों को सतर्क रहने और जरूरी न होने पर यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- प्रदेश में अगले 3 से 4 दिनों तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। सुबह और शाम के समय घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता बेहद कम रहेगी, वहीं रात का तापमान सामान्य से कम रहेगा।

- कानपुर में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया हुआ है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।
- प्रयागराज में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया है। सर्द हवाओं से ठंड बढ़ गई है। लोग अपने-अपने घरों में रहने को मजबूर हैं।
- इटावा में कोहरे के चलते दो ट्रकों में टक्कर के बाद आग लग गई। केबिन में फंसा चालक जिंदा जल गया। उसका सिर्फ कंकाल ही बचा।

दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरे : एस जयशंकर
हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का हक

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पड़ोसी बुरे भी हो सकते हैं, दुर्भाग्य से हमारे हैं। अगर कोई देश यह तय करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और बिना पछतावे के आतंकवाद जारी रखेगा तो हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार है। विदेश मंत्री ने यह बात IIT मद्रास के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर निर्भर है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। हम खुद को बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे। बांग्लादेश में अशांति पर

विदेश मंत्री ने कहा- 'मैं अभी दो दिन पहले बांग्लादेश में था। मैं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करने गया था। हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी आपके लिए अच्छा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव-नामांकन वापसी का आखिरी दिन

नागपुर। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों के लिए चुनाव होना हैं। 2 जनवरी को नामांकन वापसी का आखिरी दिन है। इस बीच नागपुर शहर में एक BJP उम्मीदवार के समर्थकों ने उसे अपना नॉमिनेशन वापस लेने से रोकने के लिए घर में बंद कर दिया। दरअसल, BJP ने अपने AB फॉर्म में वार्ड 13 (D) से विजय होले और किसान गावंडे को उम्मीदवार बनाया था।

शाहरुख की आईपीएल टीम में बांग्लादेशी खिलाड़ी को लेकर विवाद

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या को लेकर देशभर में विरोध जारी है। वहीं बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने IPL 2026 के लिए 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा है। इस मामले पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने गृह मंत्री अमित शाह के बेटे और ICC चीफ जय शाह से सवाल किया है। उन्होंने कहा- मैं पूछना चाहती हूं कि बांग्लादेशी क्रिकेटर को उस पूल में किसने डाला, जहां IPL खिलाड़ियों की नीलामी होती है, वे खरीदे-बेचे जाते हैं।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में दावा-91% ने माना चुनाव निष्पक्ष

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार की एक एजेंसी की स्टडी में दावा किया गया है कि राज्य के 91% लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और EVM सटीक नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी (KMEA) ने प्रकाशित की है।

भक्तों ने ढोल-नगाड़ों से किया वेलकम, हाथों में दीपक लिए हजारों लोग सड़कों पर खड़े थे
दुष्कर्म के दोषी आसाराम का सूरत में भव्य स्वागत

आसाराम के आगमन की खबर मिलते ही सूरत और दक्षिण गुजरात से ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से भी सैकड़ों श्रद्धालु बसों में सूरत के जहांगीरपुरा आश्रम पहुंचे हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरत। दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम शुक्रवार को 13 साल बाद सूरत पहुंचा। यहां आश्रम में अनुयायियों ने उनका ढोल-नगाड़ों से भव्य स्वागत किया। आश्रम में लोग हाथों में दीपक लेकर दर्शन के लिए खड़े हुए थे। आसाराम को हाल ही में स्वास्थ्य कारणों से गुजरात हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत दी है सूरत पहुंचते ही आसाराम ने अपने जहांगीरपुरा आश्रम का दौरा किया। इस दौरान उनके स्वागत में आश्रम के बाहर सड़कों पर हजारों की संख्या में लोग हाथों में दीपक लेकर खड़े हुए थे।

बेटा नारायण साईं भी रेप के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहा

आसाराम के साथ उसका बेटा नारायण साईं भी उम्रकैद की सजा काट रहा है। साईं के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत सूरत के जहांगीरपुरा थाने में 2013 में दर्ज हुई थी। सूरत सेशंस कोर्ट में 2014 में मामले की सुनवाई शुरू हुई और 2019 में इस पर फैसला सुनाया गया। इसमें नारायण साईं को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई थी। वहीं, दुष्कर्म के ही मामले में आसाराम को साल 2018 में जोधपुर के एक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है।

आसाराम 2 मामलों में गुनहगार

- **जोधपुर कोर्ट:** आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से आसाराम जेल में बंद था। पांच साल तक लंबी सुनवाई के बाद 25 अप्रैल 2018 को कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।
- **गांधीनगर कोर्ट:** आसाराम के खिलाफ गुजरात के गांधीनगर में आश्रम की एक महिला ने रेप का मामला दर्ज करवाया था।

सूरत के सरकारी हॉस्पिटल में हुई थी पूजा-आरती

इससे पहले एक ऐसा ही मामला करीब तीन महीने पहले भी सूरत शहर में देखने को मिला था। सिविल हॉस्पिटल में आसाराम समर्थकों के एक समूह ने मेन गेट पर आसाराम की एक फोटो रखकर पूजा-आरती की थी। आरती के दौरान मंत्रोच्चार और भजन हुए। आरती में शिशु रोग विभाग की वरिष्ठ डॉक्टर जिगिशा पटाडिया, नर्स और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हुए थे।

पत्नी से खर्चे का हिसाब मांगना क्रूरता नहीं : सुप्रीम कोर्ट
इसके लिए केस नहीं कर सकते, व्यक्ति पर दर्ज एफआईआर रद्द

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अगर पति घर के पैसों के फैसले खुद करता है या पत्नी से खर्च का हिसाब पूछता है तो इसे क्रूरता नहीं कहा जा सकता। खासकर जब तक इससे पत्नी को कोई गंभीर मानसिक या शारीरिक नुकसान साबित नहीं हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने गुरुवार को यह टिप्पणी दहेज उत्पीड़न और क्रूरता के एक मामले को रद्द करते हुए की। इस केस में पत्नी ने पति पर आरोप लगाया था कि वह घर के खर्चों का एक-एक पैसे का हिसाब एक्सेल शीट में रखने को मजबूर करता था। बेंच ने कहा कि यह स्थिति भारतीय समाज

महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि उसे अमेरिका में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट की नौकरी छोड़कर घर पर रहने के लिए मजबूर किया गया और बच्चे के जन्म के बाद वजन को लेकर उसे ताने दिए गए। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर पति ने गर्भावस्था या बच्चे के जन्म के बाद पत्नी की ठीक से देखभाल नहीं की या उसके वजन को लेकर ताने मारे तो यह उसका गलत और असंवेदनशील व्यवहार हो सकता है।

की एक हकीकत को दर्शाती है।

>> (शेष पेज 04 पर)

चमोली के आर्मी कैंप स्टोर में लगी आग
बाल्टी लेकर दौड़ते दिखे जवान, फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियां पहुंचीं

तमसा संकेत, एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली के जोशीमठ में औली रोड पर स्थित सेना के कैंप में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गई। घटनास्थल पर 100 से ज्यादा जवान मौजूद थे, जिनमें से कई स्टोर पूरी तरह जलकर राख हो गए। सेना के जवानों ने करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। आग की तेज लपटों के कारण स्थिति काफी देर तक चिंताजनक बनी रही। आग दोपहर करीब 2 बजे कैंप के स्टोर क्षेत्र में शुरू हुई। शुरुआत में एक छोटे स्पार्क से लगी आग तेजी से फैल गई और स्टोरों में रखे सामान, उपकरण व अन्य सामग्री को भोजन बना लिया। सेना ने तत्काल स्थानीय दमकल विभाग को सूचना दी,

लेकिन दुर्गम इलाके के कारण सहायता पहुंचने में थोड़ा विलंब हुआ। सेना के जवान स्वयं ही प्रारंभिक दमकल अभियान चलाया। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की, जिसमें पानी के टैंकर और मैनुअल उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

जहरीले पानी से 15 मौतें-दो अफसरों को हटाया
हाईकोर्ट में सरकार ने कहा- केवल 4 मरे, राहुल बोले- जहर बंटा, प्रशासन कुंभकर्णी नींद में

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर। इंदौर में दूषित पानी से सिर्फ 4 मौतें हुई हैं। राज्य सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी हाईकोर्ट को दी। सरकार की यह रिपोर्ट तब आई है, जब मृतकों के परिजन और अस्पतालों के जरिए 15 मौतों की जानकारी सामने आ चुकी है। मामला हाईकोर्ट में है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। 1 जनवरी को हाईकोर्ट ने सरकार को स्टेटस रिपोर्ट जमा करने को कहा था। सरकार ने 5 दिन बाद 4 मौतों की बात स्वीकारी। उधर, मोहन सरकार ने नगर निगम कमिश्नर दिलीप यादव और एडिशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एडिशनल कमिश्नर सिसोनिया का ट्रांसफर

कर दिया है। वहीं, इंचार्ज सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। उधर, राहुल गांधी ने इस घटना के लिए डबल इंजन की सरकार को जिम्मेदार बताया है। अफसरों ने बताया कि भागीरथपुरा में एक पुलिस चौकी के पास मुख्य पेयजल आपूर्ति पाइपलाइन में रिसाव पाया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सरकार ने 4 मृतकों के नाम बताए

राज्य सरकार ने 39 पेज की स्टेट्स रिपोर्ट में बताया कि दूषित पानी से चार सीनियर सिटीजन की मौत हुई है। सभी की उम्र 60 साल से ज्यादा है। इनमें उर्मिला की मौत 28 दिसंबर, तारा (60) और नंदा (70) की 30 दिसंबर और हीरालाल (65) की 31 दिसंबर को हुई। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने बताया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट गुरुवार को आई। इसमें बताया गया कि यह पानी पीने योग्य नहीं है। सैंपल में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक पानी में हैजा फैलाने वाला विब्रियो कोलेरी भी मिला है, लेकिन सरकारी तंत्र इसे अब भी प्रारंभिक रिपोर्ट कहकर टाल रहा है। नगर निगम ने भी खुद की लैब में करीब 80 सैंपल्स भेजे थे। जांच रिपोर्ट में इन सैंपल्स को 'अनसेटिस्फेक्ट्री' बताया गया है। भागीरथपुरा से लिए गए पानी के सैंपल पीने और अन्य घरेलू उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं था। हालांकि दोनों रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

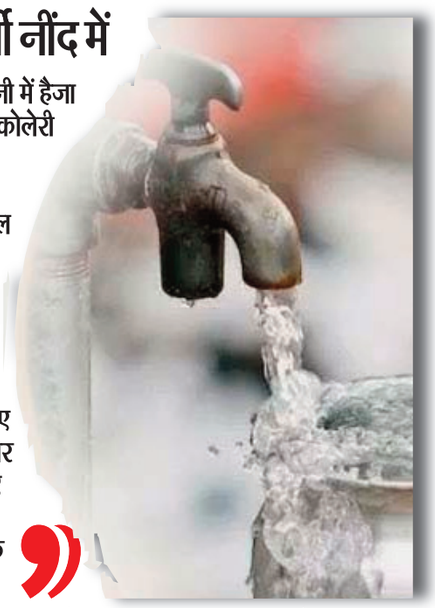

निधन : डॉ. श्याम बिहारी ने कल बर्थडे मनाया था, मंत्री के साथ सर्किट हाउस में थे

बीजेपी विधायक की मौत, मीटिंग में आया हार्टअटैक

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। यूपी के बरेली में भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल की शुक्रवार को अचानक मौत हो गई। विधायक श्याम बिहारी सर्किट हाउस में थे। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह मीटिंग ले रहे थे। दोपहर करीब सवा 2 बजे अचानक विधायक की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सीने में तेज दर्द उठा। वे सीना पकड़कर बैठ गए। पसीना छूटने लगा। यह देख मीटिंग में अफरा-तफरी मच गई। विधायक को उनके सहयोगियों ने तत्काल मेडिसिटी हॉस्पिटल पहुंचाया। यह हॉस्पिटल सर्किट हाउस से करीब 7 किमी और विधायक के घर शक्तिनगर से महज 100 मीटर की दूरी पर है। डॉक्टरों ने विधायक को CPR दिया। वेंटिलेटर पर रखा। लेकिन उनकी

तबीयत बिगड़ती चली गई और करीब 3 बजे मौत हो गई। विधायक ने एक जनवरी को अपना 60वां जन्मदिन मनाया था। विधायक का पार्थिव शरीर उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। क्षेत्र व प्रदेश के कई नेता पहुंचे हैं। अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ 3 जनवरी, शनिवार को दोपहर 12 बजे बरेली में किया जाएगा। डॉ. श्याम बिहारी बरेली में सुरक्षित फरीदपुर विधानसभा सीट से दूसरी बार चुनाव जीतकर विधायक बने थे। फरीदपुर सीट पर कोई नेता लगातार दो बार चुनाव जीता है, लेकिन श्याम बिहारी ने यह मिथ तोड़ा था। परिवार में पत्नी मंजू लता, एक बेटा और दो बेटियां हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

एबीवीपी से सियासी सफर की शुरुआत की थी

विधायक श्याम बिहारी लाल का जन्म 1 जनवरी 1966 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम राधेश्याम था। श्याम बिहारी लाल पोस्ट ग्रेजुएट थे। वे पेशे से प्रोफेसर थे।

सांसद बोले- हंसी मजाक चल रहा था, तभी आया हार्ट अटैक

भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार ने बताया- मीटिंग बहुत अच्छी थी। मीटिंग के बाद मंत्री धर्मपाल ने सहभोज रखा था। हंसी मजाक चल रहा था। तभी अचानक विधायक श्याम बिहारी को हार्ट अटैक आ गया। परिवार के मुताबिक- विधायक डॉ श्याम बिहारी को 2007 में पहला हार्ट अटैक पड़ा था। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में बाईपास सर्जरी हुई थी। तब से इलाज चल रहा था। आज दूसरा अटैक पड़ा, जिसमें उनकी मौत हो गई।

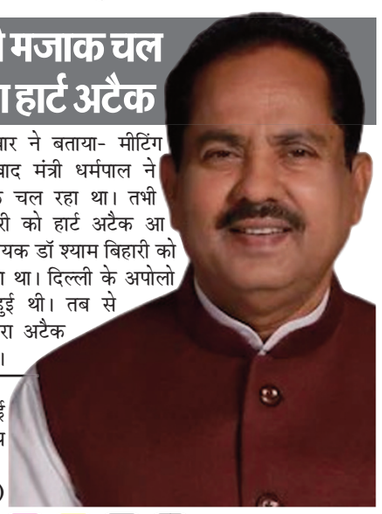

सुरेंद्रनगर के पूर्व कलेक्टर अरेस्ट
1500 करोड़ की जमीन घोटाले का मामला, डिप्टी तहसीलदार के साथ 1 करोड़ लेने का आरोप

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

सुरेंद्रनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम ने 1500 करोड़ रुपए के जमीन घोटाले के मामले में गुजरात में सुरेंद्रनगर के पूर्व कलेक्टर राजेंद्र पटेल को अरेस्ट किया है। शुक्रवार को ईडी की तीन टीमें गांधीनगर स्थित राजेंद्र पटेल के आवास पर पहुंचीं, जहां पहले उनसे पूछताछ की गई। हाल ही में ईडी की टीम ने सुरेंद्रनगर के कलेक्टर राजेंद्र पटेल के अलावा उनके पीए जयराजसिंह झाला, डिप्टी तहसीलदार चंद्रसिंह मोरी और क्लर्क मयूरसिंह गोहिल के घर पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान मोरी के घर से 60 लाख से अधिक का कैश भी जब्त किया गया था। यह कैश बेडरूम में छिपाकर रखा गया था। इसके बाद 23 दिसंबर को पीएमएलए की धारा 17 के

- डिप्टी मामलतदार चंद्रसिंह मोरी को 23 दिसंबर को ईडी की विशेष अदालत में पेश किया गया था।

तहत दर्ज अपने बयान में मोरी ने माना था कि जब्त किया गया कैश रिश्वत का पैसा है, जो आवेदकों से सीधे या बिचौलियों के जरिए लिया गया था। ईडी की पूछताछ में मोरी ने बताया था कि रिश्वत का 50 प्रतिशत हिस्सा जिला कलेक्टर को मिला था। 10 प्रतिशत उन्होंने खुद रखा और बाकी रकम रेजिडेंट एडिशनल कलेक्टर आरके ओझा (25 प्रतिशत), तहसीलदार मयूर दवे (10 प्रतिशत) और क्लर्क मयूरसिंह डी. गोहिल (5 प्रतिशत) को दी गई थी। मोरी का कहना था कि सारा हिसाब-किताब कलेक्टर का पीए जयराजसिंह झाला तय करता था। डिप्टी तहसीलदार मोरी को सौराष्ट्र घरखेड़ टेनेंसी सेटलमेंट एंड एग्रीकल्चरल लैंड्स ऑर्डिनेंस, 1949 के तहत CLU (भूमि उपयोग में बदलाव) आवेदनों के टाइटल वेरिफिकेशन और प्रोसेसिंग का काम सौंपा गया था। लेकिन, मोरी ने अपनी पावर का दुरुपयोग किया। मोरी पर आरोप है कि उन्होंने थान के विद इलाके में 1500 करोड़ रुपए कीमत की 3600 बीघा से अधिक जमीन की फाइल को जल्दी मंजूरी दिलाने के आवेदनों से रिश्वत ली। ED ने कहा कि रिश्वत की रकम प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से तय की गई थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक अच्छी और एक बुरी खबर आई। बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी-दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है। 2018 में कांग्रेस ने चुनाव जीता भी था, लेकिन कमलनाथ सरकार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से भाजपा ने गिरवा दिया और फिर से अपनी सरकार बना ली। इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजय-वर्गीय भी भाजपा से ही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लोग दूषित जल से मर जाएं, तो फिर नैतिकता यही कहती है कि जिम्मेदार लोगों को फौरन इस्तीफे की पेशकश कर देनी चाहिए। लेकिन मोदीजी के नए भारत में इस्तीफे नहीं होते, ये बात तो खुद राजनाथ सिंह कह चुके हैं। इस नए भारत में जनप्रतिनिधि मीडिया को सवाल पूछने का हक भी नहीं देते हैं, यह बात भी अब मोदी सरकार को और भाजपा को आधिकारिक तौर पर कह देनी चाहिए। क्योंकि लगातार ऐसे प्रकरण हो रहे हैं जिसमें सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी हो रही है। तो इस बुरी खबर के बीच अच्छी खबर ये है कि भाजपा भले ही सवाल पूछने का हक न दे, लेकिन देश में अभी कुछ पत्रकार बचे हैं जो न केवल सवाल पूछ रहे हैं, बल्कि मंत्री की तरफ से गलत भाषा के इस्तेमाल पर खुल कर विरोध भी कर रहे हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय से एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी ने दूषित जल प्रकरण पर सवाल किए तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि फोकट के प्रश्न मत पूछो, श्री द्वारी इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि मैं वहां होकर आया हूं, तो उन्होंने कहा कि क्या घंटा होकर आए हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे-सीधे भाषा की तमीज का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं, हालांकि इसके बाद भी श्री विजयवर्गीय के साथ के लोगों ने अनुराग द्वारी को ही रोकने की कोशिश की कि हमारे नेता हैं, उनसे ऐसी बात नहीं की जा सकती। दरअसल मोदी-शाह के युग की भाजपा के कई नेताओं को यह खुशफहमी है कि उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी। ये सीधे-सीधे पत्रकार को धमकी ही थी और इसमें जितनी गलती नेता की है, उतनी ही गलती उन मीडिया मालिकान की भी है, जो सत्ता से नजदीकी बढ़ाकर अपने लिए वित्तीय, सियासी या अन्य किस्मों के लाभ लेते हैं और बदले में आदर्शों को गिरवी रख देते हैं। मीडिया घरानों ने जिस तरह सत्ता के चरणों में खुद को झुका दिया है, उसी का नतीजा है कि अब पत्रकारों के सवालों का जवाब देना तो दूर उनसे शिष्टाचार से बातें भी नहीं की जातीं। अभी दो दिन पहले प.बंगाल में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पत्रकार से कहा कि तुम बंगाल की चिंता करो, हमारी पार्टी की चिंता मत करो। जबकि उन पत्रकार ने केवल यही पूछा था कि 75 साल में मार्गदर्शक मंडल में भेजने का नियम अभी के नेताओं पर भी लागू होगा। पत्रकार ने इशारों में नरेन्द्र मोदी के रिटायरमेंट की बात छेड़ी थी, जिस पर अमित शाह बिफर पड़े। वे चाहते तो सीधे-सीधे इसका जवाब दे सकते थे। लेकिन सत्ता की हनक ही इतनी है कि वे हर किसी को अपने से निम्नतर समझने लगे हैं। पत्रकार उनकी पार्टी का कार्यकर्ता नहीं है कि उससे तुम कहकर बात की जाए, लेकिन अमित शाह और कैलाश विजयवर्गीय दोनों ने यही किया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि लगातार हो रहा है, जिससे देश में मीडिया की स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा दोनों पर आंच आई है। लेकिन इस दौर में जब अनुराग द्वारी जैसे लोग संयमित तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते हुए पत्रकारिता के मापदंडों को ऊंचा उठाए रखते हैं, तो फिर उम्मीद जागती है कि मीडिया को पूरी तरह गुलाम होने से बचाया जा सकता है। रहा सवाल मध्यप्रदेश के इंदौर वाटरगेट का, तो इसमें फिलहाल सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि, 'मैं और मेरी टीम पिछले दो दिनों से बिना सोए प्रभावित क्षेत्र में लगातार स्थिति सुधारने में जुटी हुई है। दूषित पानी से मेरे लोग पीड़ित हैं और कुछ हमें छोड़कर चले गए, इस गहरे दुख की अवस्था में मीडिया के एक प्रश्न पर मेरे शब्द गलत निकल गए। इसके लिए मैं खेद प्रकट करता हूं। लेकिन जब तक मेरे लोग पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ नहीं हो जाते, मैं शांत नहीं बैठूंगा। पहली बात तो यह कि अपने ही शहर और क्षेत्र में काम करने पर यह गिनाने की बात नहीं है कि आप कितने दिन से नहीं सोए। क्योंकि अभी तक शायद सरकार और प्रशासन नींद में ही थे जो इतनी जानलेवा चूक हुई। इससे पहले कफ सिरप कांड में भी कई मासूमों की मौत हो गई और तब भी सरकार की तरफ से अफसोस और मुआवजे से आगे बात नहीं बढ़ पाई।

> *इस बार कारण बना है भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उनकी कथित पूर्व पत्नी उर्मिला सनावर के बीच का एक वायरल वार्तालाप। इस कथित ऑडियो क्लिप ने सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है और उस 'वीआईपी' के रहस्य को फिर से गहरा दिया है जिसे बचाने के आरोप शुरू से ही सरकार और जांच एजेंसियों पर लगते रहे हैं।*

उत्तराखंड के लिए साल का अंत शर्मनाक और चिंताजनक रहा

विदाई की बेला में यह साल 2025 उत्तराखंड के माथे पर दो ऐसे गहरे और रिसते हुए जख्म छोड़ गया है जिनकी टीस आने वाले लंबे समय तक देवभूमि की फिजाओं में महसूस की जाएगी। शांत उत्तराखंड के लिए इस साल का अंत बेहद शर्मनाक और चिंताजनक रहा है। एक तरफ देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की नृशंस हत्या ने राज्य में पनप रही हिंसक मानसिकता और असुरक्षा को उजागर किया है तो दूसरी तरफ शांत पड़ चुके अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक कथित वायरल ऑडियो ने उस 'वीआईपी' के सवाल को फिर से जिंदा कर दिया है जिसे व्यवस्था ने लगभग दफन कर दिया था। ये दोनों घटनाएं महज अपराध नहीं हैं बल्कि ये उस सामाजिक और प्रशासनिक क्षरण का प्रमाण हैं जो धीरे-धीरे इस पहाड़ी राज्य की जड़ों को खोखला कर रहा है। उत्तराखंड में मजहबी वैमनस्य तो एक सुनियोजित एजेंडे के तहत काफी पहले से फैलाया जा रहा था लेकिन साल के अंत में हुई इस नृशंस हत्या ने उसे 'नस्ली हिंसा' का एक भयावह रूप दे दिया है जिसने न केवल राज्य की कानून-व्यवस्था बल्कि इसकी 'अतिथि देवो भवः' वाली सांस्कृतिक पहचान को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। देहरादून जिसे देश भर में शिक्षा के हब के रूप में जाना जाता है और जहाँ पूर्वोत्तर भारत से लेकर देश के हर कोने से छात्र अपना भविष्य संवारने आते हैं, वहां त्रिपुरा के 24 वर्षीय छात्र एंजेल चकमा की हत्या ने हर किसी

को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना इसलिए और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि इसके तार उस नफरती माहौल से जुड़ते दिख रहे हैं जो बीते कुछ समय से राज्य में बनाया जा रहा था हालांकि उत्तराखंड पुलिस और प्रशासन ने त्रिपुरा के छात्र की हत्या को 'नस्ली हत्या' मानने से साफ इनकार कर दिया है। पुलिस का आधिकारिक बयान इसे दो पक्षों के बीच का तात्कालिक विवाद और सामान्य अपराध बता रहा है। सरकार भी अपनी पूरी मशीनरी के साथ देवभूमि के दामन पर लगे इस बदनुमा दाग को धोने के प्रयास में जुटी है ताकि राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की छवि धूमिल न हो लेकिन धरातल की सच्चाई और विपक्षी दलों के आरोप एक अलग ही कहानी बयां करते हैं। सामाजिक विश्लेषकों और विपक्ष का स्पष्ट मानना है कि यह हत्या अचानक नहीं हुई, बल्कि यह उस ' इम्युनिटी' यानी दंड के भय से मुक्ति का परिणाम है जो पिछले कुछ वर्षों में उपद्रवियों को मिली है। पुरोला से लेकर कोटद्वार, सतपुली, गौचर और अगस्तमुनि तक—बीते समय में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह सुनियोजित रूप से एक खास वर्ग की दुकानों को निशाना बनाया गया, तोड़फोड़ की गई और खुलेआम धमकियां दी गईं, उसने अराजक तत्वों के हौसले बुलंद किए हैं। चिंताजनक बात यह रही कि इन स्थानों पर बलवा करने वालों, नफरत फैलाने वालों और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कोई ऐसी सख्त और नजीर बनने वाली कार्यवाही नहीं हुई, जो भविष्य के लिए सबक बन सकती। जब भीड़तंत्र को यह संदेश चला जाता है कि हिंसा करने पर भी उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा तो परिणाम देहरादून जैसी घटनाओं के रूप में सामने आता है। विपक्ष का तर्क है कि त्रिपुरा के छात्र की हत्या समाज में बोये गए उन्हीं नफरती बीजों की अगली और खूनी कड़ी है। जब आप समाज में 'अन्य' के प्रति घृणा भरते हैं तो वह आग किसी न किसी रूप में बाहर आती है, चाहे वह सांप्रदायिक हो या नस्लीय। अभी राज्य एंजेल चकमा की हत्या से उपजे अविश्वास, भय और आक्रोश के माहौल से उबरने की कोशिश ही कर रहा था कि साल के आखिरी दिनों में एक और पुराने नासूर ने दर्द देना शुरू कर दिया। अंकिता भंडारी हत्याकांड जिसने पूरे उत्तराखंड को झकझोर कर रख दिया था और जिसे मई 2025 में मुख्य आरोपियों को सजा होने के बाद बंद मान लिया गया था, वह एक बार फिर सुर्खियों में है। अंकिता भंडारी केस महज एक हत्या का मामला नहीं था, वह पहाड़ की बेटियों के स्वाभिमान और रसूखदारों द्वारा उनके शोषण के विरुद्ध एक प्रतीक बन गया था। जनता को उम्मीद थी कि देर से ही सही, पूरा सच सामने आएगा और वह 'वीआईपी' बेनकाब होगा जिसके लिए वनंत्रा रिज़ॉर्ट में अनैतिक कार्य करने का दबाव अंकिता पर डाला गया था लेकिन चार्जशीट से वीआईपी का नाम गायब रहना और अब इस वायरल ऑडियो का सामने आना यह दर्शाता है कि ताकतवर लोग कानून की जद से बाहर रहने के लिए किस हद तक जा सकते हैं। हालांकि संबंधित नेताओं ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है लेकिन जनमानस में यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि सिस्टम रसूखदारों को बचाने के लिए काम कर रहा है। इन दोनों घटनाओं का एक साथ साल के अंत में उभरना सरकार के लिए दोहरी और विकट चुनौती है। एक ओर उसे पूर्वोत्तर और देश के अन्य राज्यों के छात्रों और उनके अभिभावकों को यह विश्वास दिलाना होगा कि उत्तराखंड में 'नस्लीय भेदभाव' या हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है ताकि यहाँ के शिक्षण संस्थानों और पर्यटन की साख बची रहे। वहीं दूसरी ओर, अंकिता मामले में उसे यह साबित करना होगा कि कानून की नजर में कोई भी 'वीआईपी' नहीं है और न्याय केवल कागजों तक सीमित नहीं है। दुर्भाग्यवश, वर्तमान परिदृश्य में सरकार की भूमिका डैमेज कंट्रोल तक सीमित नजर आ रही है। एंजेल चकमा मामले में पुलिसिया कार्रवाई में देरी और लीपापोती के आरोप, और अंकिता मामले में नए सबूतों की अनदेखी या उन्हें साजिश बताना, जनता के विश्वास को बहाल करने में नाकाफी साबित हो रहा है। उत्तराखंड की पहचान हमेशा से एक शांत, सुरक्षित और न्यायप्रिय समाज की रही है, जहाँ महिलाएं रात में भी बेखौफ निकल सकती थीं और अतिथि को भगवान माना जाता था। लेकिन 2025 के ये दो जख्म बताते हैं कि वह पहचान अब खतरे में है। पुरोला और सतपुली जैसी घटनाओं ने जहाँ सामाजिक ताने-बाने को तोड़ा, वहीं देहरादून की घटना ने यह बताया कि नफरत की आग अब किसी को भी जला सकती है। यह अब केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह उत्तराखंड की 'आत्मा' और 'अस्मिता' को बचाने की लड़ाई बन गई है। साल 2026 की दहलीज पर खड़ा उत्तराखंड आज अपनी सरकार और प्रशासन से जवाब मांग रहा है। वह पूछ रहा है कि क्या नफरत फैलाने वालों को इसी तरह अभयदान मिलता रहेगा? क्या रसूखदार 'वीआईपी' हमेशा पर्दे के पीछे छिपे रहेंगे? एंजेल चकमा का परिवार हो या अंकिता भंडारी के माता-पिता, दोनों ही इंसाफ की आस में हैं।

जयसिंह रावत

जन सुराज का ...

ललित गर्ग

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ऑनलाइन बाज़ार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटर-साइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि ज़रा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेद-नशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के ज़रिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोज़मर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है। गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के

बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज् या अन्य ऐप्स के ज़रिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

यह मामला आने ...

बाबूलाल नागा

उन्नाव रेप केसः न्याय, सत्ता और कानून की कसौटी पर सुप्रीम कोर्ट की दखल

देश के सबसे चर्चित और संवेदनशील आपराधिक मामलों में शामिल उन्नाव रेप केस एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाए जाने के बाद, जिसमें दोषी करार दिए जा चुके पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित कर जमानत दी गई थी, यह मामला केवल एक व्यक्ति की रिहाई या कैद तक सीमित नहीं रह गया है। यह फैसला दरअसल न्याय प्रणाली, सामाजिक विश्वास और कानून की आत्मा की परीक्षा बन गया है। उन्नाव की पीड़िता की कहानी केवल एक अपराध की दास्तान नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहां सत्ता, भय और दबाव के बीच न्याय की राह अत्यंत कठिन हो जाती है। एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार, उसके परिवार पर लगातार हमले, पीड़िता के पिता की हिरासत में संदिग्ध मौत और गवाहों को डराने की घटनाओं ने इस केस को सामाजिक-न्याय का प्रतीक बना दिया। ऐसे में जब किसी अदालत द्वारा दोषी को राहत दी जाती है तो सवाल केवल कानूनी नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक भी हो जाते हैं। इस मामले में दोषसिद्धि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम के तहत हुई थी। पॉक्सो कानून विशेष रूप से बच्चों के यौन शोषण से सुरक्षा के लिए बनाया गया है और इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि यदि अपराध किसी प्रभावशाली व्यक्ति या लोक सेवक द्वारा किया जाए, तो उसे गंभीरतम श्रेणी में माना जाएगा। यहीं से विवाद की जड़ शुरू होती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह टिप्पणी की कि विधायक को पॉक्सो के संदर्भ में 'लोक सेवक' की परिभाषा में नहीं रखा जा सकता, और इसी आधार पर गंभीर आरोपों की धार कमजोर मानी गई। इस तकनीकी व्याख्या ने पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगाते हुए साफ किया कि यह कोई साधारण मामला नहीं है। अदालत ने कहा कि विधायक जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को 'लोक सेवक' मानने या न मानने का प्रश्न केवल शब्दों की व्याख्या नहीं बल्कि कानून की मंशा और समाज पर उसके प्रभाव से जुड़ा है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई बल्कि दोषी को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब तलब किया। कुलदीप सिंह सेंगर की संभावित रिहाई का विरोध केवल कानूनी दलीलों तक सीमित नहीं है। यह विरोध उस डर और अविश्वास से उपजा है, जो वर्षों से यौन हिंसा की शिकार महिलाओं और बच्चों के मन में घर कर चुका है। जब एक प्रभावशाली आरोपी को राहत मिलती है तो संदेश केवल पीड़िता तक नहीं जाता बल्कि समाज के हर उस व्यक्ति तक पहुंचता है, जो न्याय की उम्मीद लेकर थाने और अदालत का दरवाजा खटखटाता है। महिला अधिकार संगठनों का कहना है कि ऐसे फैसले पीड़ितों का मनोबल तोड़ते हैं और भविष्य की पीड़िताओं को चुप रहने के लिए मजबूर करते हैं। उन्नाव केस में तो पीड़िता और उसके परिवार ने न्याय पाने के लिए असाधारण साहस दिखाया। ऐसे में दोषी को राहत देना उस संघर्ष को कमजोर करने जैसा प्रतीत होता है।

जरा हटके

बंगाल में 2011 ...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या पश्चिम बंगाल में राजनीतिक से बढ़कर संस्कृति को बचाने की लड़ाई है!

बंगाल से लगातार हो रहे घुसपैठ और उसकी वजह से हो रहा डेमोग्राफी बदलाव देश के लिए खतरनाक है। बंगाल की संस्कृति और उसकी पहचान को इससे खतरा पैदा हो गया है। राजनीतिक संरक्षण में हो रहा ये घुसपैठ बंगाल चुनाव के लिए ही अहम नहीं है, बल्कि इससे देश की सुरक्षा, संप्रभुत्ता जुड़ी हुई है। इसलिए भाजपा नेता बीएल संतोष ने देश को बचाने के लिए बंगाल चुनाव को जीतने पर बल दिया है। भाजपा नेता बीएल संतोष के अनुसार हमारे लिए बंगाल सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि एक सभ्यता को बचाने की लड़ाई है। उनका मानना है कि भारत को बचाने के लिए बंगाल को बचाना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल में डेमोग्राफी बदलावों को रोकना और हर हाल में सरकार बनाना उनका लक्ष्य है, जिसे वे भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। बीएल संतोष बंगाल चुनाव को सियासी लड़ाई से बढ़कर बंगाल की संस्कृति और पहचान को बचाने की लड़ाई से जोडकर देखते हैं। बंगाल में लगातार हिन्दुओं का पलायन हो रहा है। यहाँ कट्टरपंथियों द्वारा हिन्दु त्यौहारों का कई बार विरोध किया गया। कई बार दुर्गापूजा विसर्जन और मुहर्रम के जुलूस एक दिन होने पर विसर्जन की तारीख बदल दी गई। प्रशासन ने दुर्गापूजा उत्सव को कैंसिल कर दिया। यही हाल राम नवमी जुलूस पर भी रहा। कई जगहों पर हिंसा और झड़पें हुई। होली- दिवाली जैसे पर्व मनाने के दौरान भी कई बार विवाद हुए। मार्च 2025 में बसंत उत्सव के दौरान शांतिनिकेतन के सोनाझुरी हाट में पर्यावरण संरक्षण का हवाला देते हुए होली समारोह पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस पर काफी बवाल भी हुआ। बंगाल में 2011 की जनगणना के मुताबिक, पूरे देश में हिन्दू आबादी घटी है। ये करीब 0.7 फीसदी कम हुई है जबकि पश्चिम बंगाल में हिन्दू आबादी 1.94 फीसदी घटी है। यहाँ मुस्लिम आबादी में 0.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ये तो 2011 के आंकड़े हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में मुस्लिम की तुलना में हिन्दुओं की संख्या तेजी से घट रही है। इस बीच लगातार घुसपैठ बढ़ी है। ये घुसपैठिए बंगाल के गाँव में घुस कर अपनी पैठ जमा लेते हैं। धीरे धीरे टीएमसी के संरक्षण में पहचान पत्र प्राप्त कर लेते हैं और भारत का नागरिक बन जाते हैं। यही वजह है कि बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुस्लिम हैं। ये दर्शाता है कि घुसपैठ कितना बड़ा सिरदर्द है। दरअसल पश्चिम बंगाल में एक घुसपैठिए एक वोटर की तरह है। बांग्ला भाषी होने की वजह से गाँव गाँव में फैले होते हैं। ये लोग पूरे बंगाल में मौजूद हैं लेकिन बांग्लादेश से सटे मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर जैसे इलाकों में इनकी संख्या 50 फीसदी तक पहुँच चुकी है। इसके अलावा उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना क्षेत्र में इसकी संख्या और ज्यादा है। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास कर चुके पूर्व टीएमसी विधायक हुमायूँ कबीर के मुताबिक मुर्शिदाबाद में 70 फीसदी मुस्लिम आबादी है।

चंचलता कब समाप्त होगी

अपना-अपना कहते -कहते ना जाने कब पराये हो जातें हैं । वह इस संसार समुद्र में डुबती हुई संवेदनशील किश्ती को भला कोई बिना धर्म के कैसे निकालें । योग में श्वास का विशेष महत्व है । श्वास आधारित अनुलोम-विलोम जैसे प्राणायाम न केवल शरीर को ऊर्जा देते हैं बल्कि मन को भी एकाग्र करते हैं। यह अनुभव सिद्ध है कि जब श्वास लंबी, गहरी और संतुलित होती है , तब विचारों की चंचलता स्वतः ही शांत हो जाती है। दरअसल श्वास ही वह सेतु है, जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का हेतु है । जो श्वास पर अधिकार रखता है वह जीवन की हर चुनौती का सामना किसी न किसी प्रकार से कर सकता है । पतंजलि योग सूत्र कहता है जहाँ श्वास स्थिर हैं वहीं चित्त भी थिर हो जाता है। एक बहुत मनोरंजक प्रश्न गौतम ने पूछा भगवान् महावीर से - भंते ! जो वीतराग बन गया , अप्रमत्त और अकषाय बन गया , सर्वज्ञ बन गया , सब कुछ जानता हैं, उस केवली ने एक हाथ रखा, आंगन पर । क्या दूसरी बार उसी स्थान पर वह अपना हाथ रख सकता हैं? भगवान् ने कहा नहीं । बड़ी अजीब बात हैं जो आंगन के कण - कण को जानता हैं , अणु- अणु को जानता हैं, केवली से अपने हाथ का एक भी अणु छिपा नहीं है , पहली बार हाथ रखा, दूसरी बार उसी स्थान पर हाथ नहीं रख सकता? कितना अजीब प्रश्न हैं । कितना अजीब उत्तर दिया भगवान् ने - नहीं रख सकता । बात समझ में नहीं आई । गौतम ने फिर पूछा भंते! यह कैसे ? केवली कैसे नहीं रख सकता? एक छद्मस्थ हैं, असर्वज्ञ हैं, अवितराग हैं, जिसमें कषाय हैं, प्रमाद हैं, भूल कर सकता हैं, विस्मृति हो सकती हैं, अज्ञान के कारण उस स्थान का ठीक पता नहीं लगा सकता , पर केवली कैसे नहीं रख सकता ? भगवान् महावीर ने उत्तर दिया - वह जानता तो हैं, पर चंचलता अभी तक समाप्त नहीं हुई है । शरीर मौजूद हैं । जब तक यह शरीर हैं, शरीर की सूक्ष्मतम क्रियाएं हैं, तब तक चंचलता हैं । शरीर की चंचलता समाप्त नहीं हुई, इसलिए केवली सब कुछ जानता हुआ भी दूसरी बार उसी स्थान पर हाथ नहीं रख सकता हैं । अतः हमारी चंचलता अंतिम समय तक रहती हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

पाकिस्तानी मुस्लिम होने के चलते दोहरा बर्ताव झेला, एशेज में आखिरी बार खेलेंगे

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ख्वाजा ने लगाए नस्लीय भेदभाव के आरोप

कैनबरा, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। सिडनी (SCG) में खेला जाने वाला एशेज सीरीज का आखिरी टेस्ट उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। संन्यास की घोषणा के साथ ही ख्वाजा ने अपने करियर के दौरान झेली नस्लीय टिप्पणियों और मैनेजमेंट के दोहरे मानदंडों पर खुलकर बात की। ख्वाजा ने कहा कि पूरे करियर में मुझे मेरे पाकिस्तानी मूल और मुस्लिम पहचान के कारण कई बार अलग नजर से देखा गया। मुझे अनुचित आलोचना का सामना करना पड़ा। जब भी मैं चोटिल हुआ, मीडिया और कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने बिना पूरी जानकारी के सवाल उठाए। 'ऑस्ट्रेलियन लैरिकिन्स' कहा जाता है। जब मैं चोटिल हुआ, तो मेरी साख पर सवाल उठाए गए।' ख्वाजा ने यह भी बताया कि टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड चाहते थे।

उस्मान ख्वाजा ने 2011 में सिडनी में इंग्लैंड के खिलाफ मैच से डेब्यू किया था।

एडिलेड में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जाना टर्निंग पॉइंट

ख्वाजा ने स्वीकार किया कि एशेज की शुरुआत मेरे लिए आसान नहीं रही। एडिलेड टेस्ट में शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह न मिलना मेरे लिए बड़ा संकेत था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे एडिलेड में नहीं चुना गया, तभी समझ आ गया कि आगे बढ़ने का वक्त आ गया है।' हालांकि, स्टीव स्मिथ की तबीयत खराब होने के बाद एडिलेड में ख्वाजा को मौका मिला और उन्होंने 82 और 40 रन की पारियां खेलीं।

उन्होंने आगे कहा, 'पाकिस्तानी, वेस्ट इंडियन या अक्सर स्वार्थी, मेहनत न करने वाला और टीम की परवाह न करने वाला बताया जाता है। यह सब मैंने अपनी पूरी जिंदगी झेला है।' ख्वाजा ने कहा, 'मैं दर्जनों ऐसे उदाहरण दे सकता हूं, जहां खिलाड़ी मैच से पहले गोल्फ खेलते हैं और चोटिल हो जाते हैं, लेकिन उन पर कोई सवाल नहीं उठता। कई खिलाड़ी मैच से पहले 15 बीयर पीते हैं, फिर भी कोई मुद्दा नहीं बनता, क्योंकि उन्हें

> *ख्वाजा ने कहा, जब मैं चोटिल हुआ, तो लगातार 5 दिनों तक मेरी आलोचना होती रही। मुझे अक्सर आलसी, गैर-जिम्मेदार और टीम के लिए न खेलने वाला बताकर पेश किया गया। ये सब नस्लीय स्टीरियोटाइप्स का हिस्सा हैं। ख्वाजा ने पर्थ टेस्ट से पहले गोल्फ खेलने और एक वैकल्पिक ट्रेनिंग सत्र में शामिल न होने को लेकर हुई आलोचना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने मेरी चोट के लिए गोल्फ खेलने को जिम्मेदार ठहरा दिया।*

परिवार के साथ की संन्यास घोषणा

संन्यास की घोषणा के दौरान ख्वाजा के साथ उनकी पत्नी रेचल, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि मैं काफी समय से इस फैसले पर विचार कर रहा था। ख्वाजा ने कहा, 'इस सीरीज में शामिल होते वक्त ही मुझे महसूस हो गया था कि यह मेरी आखिरी सीरीज हो सकती है। पत्नी से लंबी बातचीत के बाद लगा कि अब सही समय आ गया है। मैं खुश हूं कि SCG जैसे मैदान पर अपनी शर्तों पर संन्यास ले पा रहा हूं।'

एसए20 में पहली बार सुपर ओवर

जॉबर्ग सुपर किंग्स की जीत, डरबन को 5 रन पर रोका

मुंबई, एजेंसी

SA20 लीग में को वांडरर्स स्टेडियम में जॉबर्ग सुपर किंग्स और डरबन सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जॉबर्ग ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 205 रन बनाए। कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंद, 47 रन) और मैथ्यू डी विलियर्स (26 गेंद, 38 रन) ने 8.4 ओवर में 89 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम रंजन ने 31 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने डोनोवन फरेरा के साथ 16 गेंदों में 49 रन की नाबाद साझेदारी की। फरेरा ने 10 गेंदों में 33 रन ठोके। दूसरी ओर, डरबन के लिए नूर अहमद और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी ने 8

ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। नूर अहमद ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट झटके। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन सुपर जायंट्स की शुरुआत ठीक रही, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। कप्तान एडन मार्करम (30 गेंद, 37 रन) और एवन जोन्स (17 गेंद, 43 रन) ने 24 गेंदों में 60 रन जोड़कर मुकाबला बराबरी की ओर ले गए। आखिरी ओवर में डरबन को 15 रन चाहिए थे। दूसरी गेंद पर ईथन बॉश ने छक्का लगाया। इसके बाद दो वाइड गेंदें आईं। इस जीत के साथ जॉबर्ग सुपर किंग्स लगातार तीसरी जीत के साथ SA20 की इकलौती अपराजित टीम बन गई। पांचवीं गेंद पर हार्मर ने चौका लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। अंतिम गेंद पर जीत के लिए एक रन चाहिए था, लेकिन डोनोवन फरेरा के सटीक थ्रो पर बॉश रन आउट हो गए और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। जॉबर्ग की ओर से रिचर्ड ग्लीसन ने सुपर ओवर डाला। पहली गेंद पर कैच छूटा, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और डरबन को 5 रन पर रोक दिया। अंतिम गेंद पर एवन जोन्स रन आउट हुए। जवाब में जॉबर्ग ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। राइली रूसो ने नूर अहमद की गेंदों पर दो चौके लगाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ जॉबर्ग सुपर किंग्स लगातार तीसरी जीत के साथ SA20 की इकलौती अपराजित टीम बन गई।

फास्ट न्यूज़

नए साल पर दृष्टि धामी ने बेटी लीला का फेस रिवील किया

मुंबई। टीवी अभिनेत्री दृष्टि धामी ने नए साल के मौके पर 1 जनवरी को अपनी बेटी लीला के चेहरे को पहली बार सबके सामने रिवील किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने लीला के जरिए फैंस को नए साल की शुभकामनाएं भी दी हैं। जानिए अपनी पोस्ट में उन्होंने किस तरह दिखाई लीला की पहली झलक... जन्म के 14 महीने बाद दृष्टि ने अपनी बेटी लीला का फेस रिवील किया है।

कुणाल खेमू और पिता के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत

मुंबई। एक्टर कुणाल खेमू और उनके पिता रवि खेमू के खिलाफ मिली धोखाधड़ी की शिकायत के बाद मुंबई की एक अदालत ने अंबोली पुलिस से जवाब मांगा है। एक्टर और उनके पिता पर आरोप हैं कि उन्होंने एक प्रोड्यूसर से फिल्म में काम करने के लिए साइनिंग अमाउंट लिया था, हालांकि बाद में वो साथ काम करने से मुकर गए और ज्यादा पैसों की मांग करने लगे। फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सुजीत कुमार सी. तायडे ने 29 दिसंबर को शिकायत मिलने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों से इंडियन सिविल डिफेंस कोड की धारा 175 (3) के तहत जवाब मांगा है। आदेश में उन्होंने कहा कि अंबोली पुलिस थाना प्रभारी को इस मामले में जवाब देना होगा।

सेंसेक्स में 300 अंक से ज्यादा की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 2 जनवरी को तेजी है। सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा चढ़कर 85,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 100 अंक की तेजी है। ये 26,250 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी और 6 में गिरावट है। बैंकिंग, ऑटो और मेटल शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। वहीं FMCG शेयर्स में गिरावट है।

हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ पर यौन शोषण का केस दर्ज

वायलिन प्लेयर जोसेफ ने एक्टर, उनकी कंपनी के खिलाफ शिकायत की

हॉलीवुड एक्टर और रैपर विल स्मिथ पर उनके 2025 टूर से जुड़े वायलिन प्लेयर ब्रायन किंग जोसेफ ने केस दर्ज कराया है। मामले में वायलिन प्लेयर का आरोप है कि यौन हमले की शिकायत करने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। ब्रायन ने 31 दिसंबर को लॉस एंजिलिस की एक अदालत में विल स्मिथ और उनकी कंपनी ट्रेबॉल स्टूडियोज मैनेजमेंट के खिलाफ सिविल केस फाइल किया। जोसेफ का कहना है कि मार्च 2025 में लास वेगास में हुई एक घटना के बाद उन्हें गलत तरीके से नौकरी से हटा दिया गया। यूएसए टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, जोसेफ "बेस्ड ऑन अ ट्रू स्टोरी 2025" टूर के दौरान एक होटल में रुके थे। यह होटल कंपनी की ओर से बुक किया गया था। जोसेफ ने बताया कि जब वह अपने कमरे में लौटे तो वहां किसी के आने के निशान मिले। कमरे में एक यौन मैसेज लिखा हुआ था। वहां वाइप्स, बीयर की बोतल, एचआईवी की दवा, जिस पर

किसी और का नाम लिखा था, और किसी दूसरे व्यक्ति के अस्पताल से डिस्चार्ज के कागज भी पड़े थे। जोसेफ ने कहा कि इसके बाद उन्होंने होटल की सिक्योरिटी और टूर मैनेजमेंट को इस घटना की पूरी जानकारी दी। साथ ही नॉन इमरजेंसी पुलिस नंबर पर भी शिकायत दर्ज कराई। जोसेफ का आरोप है कि मैनेजमेंट ने उनकी बात नहीं मानी और उल्टा उन पर झूठ बोलने का आरोप लगा दिया। जोसेफ के मुताबिक, कुछ दिनों बाद उन्हें बताया गया कि टूर अब "दूसरी दिशा में आगे बढ़ रहा है" और उनकी सेवाएं खत्म की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनकी

जवानों के बीच करेंगे 'घर कब आओगे' सॉन्ग लॉन्च, वरुण धवन, सोनू निगम पहुंचे जैसलमेर

पाकिस्तानी सीमा पर 'बॉर्डर-2' की टीम करेगी हथियारों की पूजा

जैसलमेर, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' के गाने के लॉन्च को लेकर फिल्म की टीम जैसलमेर पहुंच चुकी है। अभिनेता वरुण धवन, गायक सोनू निगम, निर्माता भूषण कुमार और अभिनेता अहान शेट्टी जैसलमेर एयरपोर्ट पर नजर आए। शुक्रवार को सनी देओल अपनी पूरी टीम के साथ तनोट माता मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। यहां बॉर्डर क्षेत्र में तनोट माता की आरती होगी और साथ ही हथियारों की पूजा भी की जाएगी। इसी दौरान फिल्म 'बॉर्डर 2' का पहला ऑफिशियल गाना 'घर कब आओगे' भारतीय जवानों के बीच लॉन्च किया जाएगा। इस गाने की लाइव प्रस्तुति सनी देओल, गायक सोनू निगम और अभिनेता वरुण धवन देंगे। मौके पर संगीतकार मिथुन और गीतकार मनोज मुंतशिर भी मौजूद रहेंगे।

सोनू निगम की आवाज और पुरानी यादें

सोनू निगम इससे पहले 1997 की फिल्म बॉर्डर में संदेशे आते हैं जैसे गीत को आवाज दे चुके हैं। अब वे बॉर्डर 2 के इस नए गीत को प्रस्तुत करेंगे, तनोट माता मंदिर के सामने बने एम्फीथिएटर में एक अद्भुत दृश्य होगा। टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स ने इसे एक 'सिनेमाई इवेंट' से ज्यादा एक 'सैनिक सम्मान समारोह' का रूप दिया है।

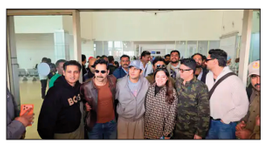

जैसलमेर एयरपोर्ट पहुंचे सोनू निगम वरुण धवन, भूषण कुमार और आहान शेट्टी।

गीत की भावना और कहानी

'घर कब आओगे' गीत केवल एक फिल्मी गीत नहीं है, बल्कि उन परिवारों की भावना को दर्शाता है, जिनके बेटे, पति या पिता देश की सीमाओं पर तैनात रहते हैं।

> *सनी देओल का मानना है कि तनोट माता की कृपा से उनके करियर को नई दिशा मिली। इसी विश्वास के चलते उन्होंने बॉर्डर 2 जैसी महत्वाकांक्षी फिल्म की शुरुआत किसी स्टूडियो या होटल के बजाय उसी पावन भूमि से करने का निर्णय लिया, जहां देश की रक्षा करने वाले जवान तैनात रहते हैं।*

गदर 2 की सफलता से जुड़ी तनोट की आस्था

सनी देओल का तनोट माता से जुड़ाव नया नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि गदर 2 की रिलीज से पहले वे जैसलमेर आए थे और तनोट माता की आरती में शामिल होकर फिल्म की सफलता की मन्नत मांगी थी। इसके बाद गदर 2 ने 500 करोड से अधिक का कारोबार किया और कई रिकॉर्ड बनाए। जिससे फिल्म की भावनात्मक कड़ी को और मजबूत किया गया है।

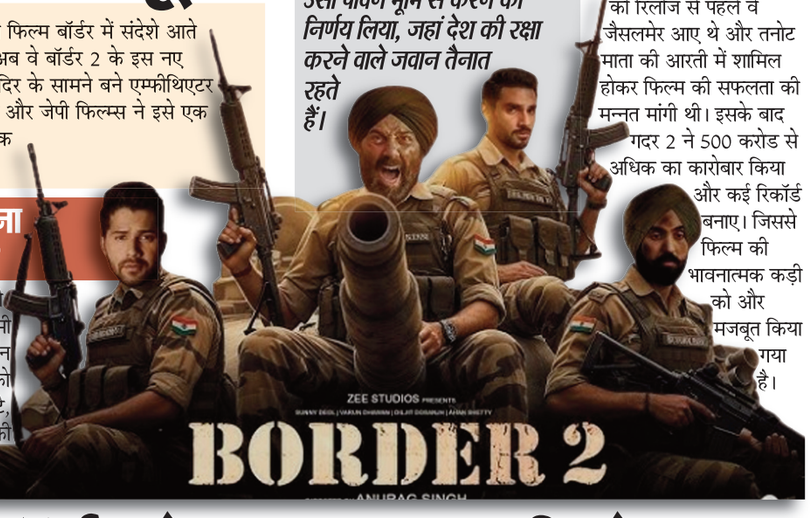

फिर होगा 'भूल भुलैया' जैसा जादू, जल्द होगी शूटिंग शुरू

2026 में ब्लॉकबस्टर धमाका करेंगे अक्षय

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार के लिए साल 2025 भले ही मिला-जुला रहा हो लेकिन अब साल 2026 में अक्षय ने धमाकेदार वापसी का पूरा मन बना लिया है। अक्की की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की फेहरिस्त यूं तो लंबी है लेकिन अब खिलाड़ी कुमार के पास एक ऐसी फिल्म है, जिसके हिट होने की गारंटी अभी से मानी जा रही है और बड़ी बात ये है कि अक्षय की ये फिल्म उसी फ्लेवर की है, जिसके लिए वो दर्शकों के फेवरेट हैं। साथ ही उनकी फिल्में खूब हिट भी हुई हैं, फिर चाहे वो भूल भुलैया हो या फिर नो एंट्री से लेकर रेडी और वेलकम जैसी ही फिल्में क्यों ना हों। वहीं अक्षय के साथ भी कई फिल्मों में अनीस बज्मी काम कर चुके हैं।

इस डायरेक्टर से अक्षय ने मिलाया हाथ

अक्षय की इस फिल्म को कोई और नहीं बल्कि अनीस बज्मी (Anees Bazmee) डायरेक्ट करने जा रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनीज बज्मी चाहते हैं कि वो विद्या और अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को पर्दे पर अच्छे से भुना पाएं, इसके लिए उन्होंने सारी तैयारी की है।

नई फिल्म की तैयारी में जुटे अक्षय

दरअसल अक्षय कुमार (Akshay Kumar) नए साल पर अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग 15 जनवरी से शुरू होने जा रही है। ये वही फिल्म है जिसमें अक्षय कुमार अपनी पुरानी को-स्टार विद्या बालन (Vidya Balan) के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखेंगे।

> *बड़ी बात ये है कि अक्षय और विद्या सालों बाद एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं, ऐसे में फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वहीं फिल्म के लिए डायरेक्टर भी मिल गया, जो इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग 15 जनवरी से शुरू होने जा रही है।*

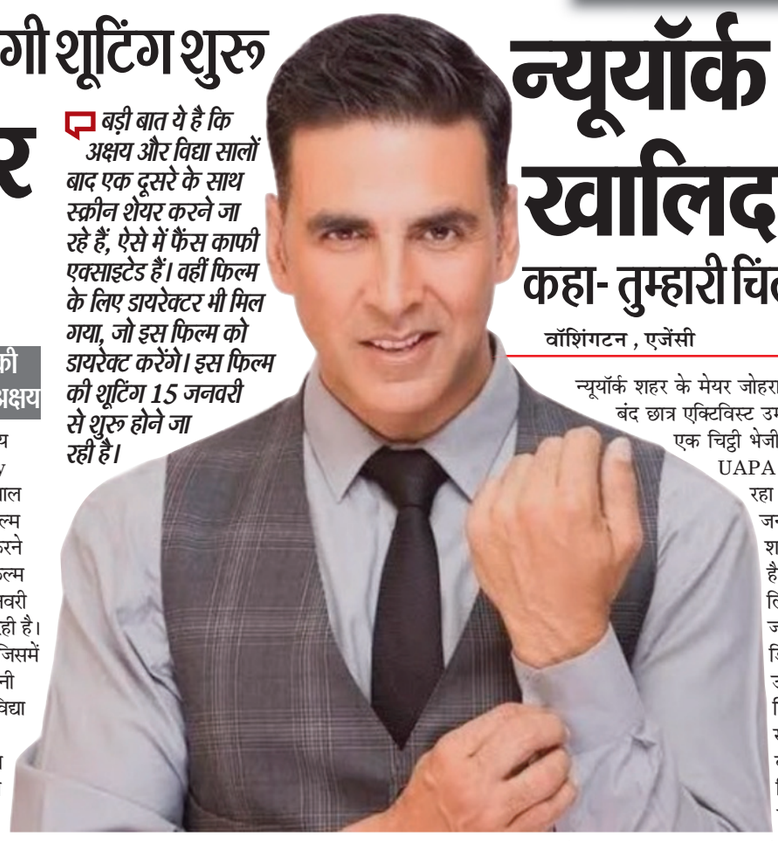

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने उमर खालिद के नाम लेटर लिखा

कहा- तुम्हारी चिंता है, 8 अमेरिकी सांसद बोले- जमानत मिले

वॉशिंगटन , एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने तिहाड़ जेल में बंद छात्र एक्टिविस्ट उमर खालिद को हाथ से लिखी एक चिट्ठी भेजी है। जेएनयू के पूर्व छात्र पर UAPA कानून के तहत मामला चल रहा है। यह चिट्ठी ममदानी के 1 जनवरी 2026 को मेयर पद की शपथ लेने के बाद सामने आई है। लेटर में ममदानी ने उमर के लिए एकजुटता और समर्थन जताया। ममदानी ने लिखा, डियर उमर, मैं अक्सर तुम्हारे उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें तुमने कड़वाहट को खुद पर हावी न होने देने की बात कही थी। तुम्हारे माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हमें तुम्हारी चिंता है।

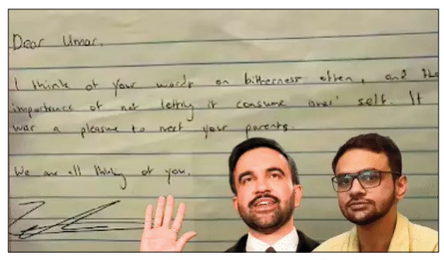

खालिद के समर्थन में आए 8 अमेरिकी सांसद

ममदानी के बाद अब 8 अमेरिकी सांसद खालिद के समर्थन में आ गए हैं। सांसदों ने भारतीय सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार खालिद के केस की सुनवाई करने की मांग करते हुए बुधवार को एक लेटर लिखा। हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग सदस्य और टॉम लैंटोस ह्यूमन राइट कमिटी के को-प्रसिडेंट, डेमोक्रेट जिम मैकगवर्न ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में उन्होंने उमर खालिद के माता-पिता से मुलाकात की थी।

झड़प : धार्मिक शहर कोम में हिंसा, ट्रम्प बोले- प्रदर्शनकारियों की हत्या हुई तो फिर हमला करेंगे

ईरान में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हुआ, 7 मौतें

- पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे।
- प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने मार्च निकाला, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई।
- बढ़ती मंहगाई के खिलाफ हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी ईरान की सड़कों पर उतर आए।

तेहरान, एजेंसी

ईरान में महंगाई और सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन लगातार छठे दिन भी जारी है। ये प्रदर्शन ईरान के पवित्र शहर तक फैल गए हैं। कोम शिया धर्मगुरुओं का एक प्रमुख गढ़ है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने राजशाही के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान प्रदर्श-

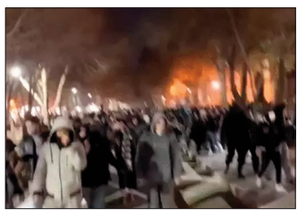

नकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई। इसमें 1 जनवरी को 5 लोगों की मौत हुई। इससे पहले 31 दिसंबर को भी एक शख्स की प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी में मौत हो गई थी। प्रदर्शन में अब तक 6 आम लोगों और 1 सिक्योरिटी फोर्स की मौत हो चुकी है। ईरान में प्रदर्शन की शुरुआत 28 दिसंबर को हुई थी। तब राजधानी तेहरान में व्यापारियों ने इसकी शुरुआत की थी। अब इसमें हजारों GenZ भी शामिल हो चुके हैं। इससे पहले अमेरिका, ईरान के सैन्य ठिकानों और परमाणु सुविधाओं पर हमलें कर चुका है। जून 2025 में ईरान-इजराइल के बीच 12 दिनों तक युद्ध हुआ था, जिसमें अमेरिका भी शामिल हो गया था। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी सत्ता में आए। वे 1979 से 1989 तक 10 साल सुप्रीम लीडर रहे। उनके बाद सुप्रीम लीडर बने अयातुल्ला अली खामेनेई 1989 से अब तक 37 साल से सत्ता में हैं। ईरान आज आर्थिक संकट, भारी महंगाई, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, बेरोजगारी, मुद्रा गिरावट और लगातार जन आंदोलनों जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। 47 साल बाद अब मौजूदा आर्थिक बदहाली और सख्त धार्मिक शासन से नाराज लोग अब बदलाव चाहते हैं। इसी कारण 65 वर्षीय क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी को सत्ता सौंपने की मांग उठ रही है। प्रदर्शनकारी उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक विकल्प मानते हैं।

ट्रम्प बोले- प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए तैयार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी। ट्रम्प ने कहा कि अगर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हत्या की गई तो अमेरिका कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने लिखा, "अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाता है या उन्हें बेरहमी से मारता है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा। हम पूरी तरह से तैयार हैं।

सोना ₹1.34 लाख पार, एक दिन में ₹954 बढ़ा

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद आज (2 जनवरी) तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 954 रुपए बढ़कर 1,34,415 रुपए पहुंच गया है। कल यह 1,33,461 रुपए/10g पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 5,656 रुपए बढ़कर 2,34,906 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,29,250 रुपए किलो थी।इससे पहले 29 दिसंबर 2025 को सोने की कीमत 1,38,161 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 2,43,483 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई थी। ये दोनों का अब तक का सबसे ज्यादा भाव यानी ऑल टाइम हाई रेट है। IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि चांदी की डिमांड में अभी तेजी है जिसके आगे भी बने रहने का अनुमान है। ऐसे में चांदी इस साल 2.75 लाख तक जा सकती है।

अमेरिका की चेतावनी - चीन बेवजह तनाव बढ़ा रहा

चीन-ताइवान का एक होना तय: जिनपिंग

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी

चीन और ताइवान के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और दोनों के बीच खून का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि चीन और ताइवान का एक होना समय की मांग है और इसे कोई रोक नहीं सकता। ताइवान की सरकार ने इसे बहुत उकसाने वाला कदम बताया और कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में अशांति फैल सकती है। अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य (ताइवान और चीन के बीच का समुद्री क्षेत्र) में मौजूदा शांति को भंग करने के किसी भी कदम का विरोध करता है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी

(PLA) के मुताबिक, इस अभ्यास में नौसेना, वायुसेना और रॉकेट फोर्स को एक साथ तैनात किया गया है। इसका नाम जस्टिस मिशन 2025 रखा गया। यह अभ्यास 29 और 30 दिसंबर 2025 को दो दिनों तक चला और 31 दिसंबर को खत्म हो गया। इसमें चीन की सेना ने दर्जनों रॉकेट दागे, सैकड़ों लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज और तटरक्षक बलों को तैनात किया।

चीन हमेशा से कहता आया है कि ताइवान उसका हिस्सा है और जरूरत पड़ी तो सेना के दम पर उसे अपने साथ मिला लेगा। वहीं अमेरिका ने भी चीन की इस हरकत की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन की बातें बेवजह तनाव बढ़ा रही हैं। वहीं ट्रम्प ने चीन को लेकर नरम रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि वे चीन के सैन्य अभ्यासों से परेशान नहीं है। चीन पिछले 20 साल से ऐसे अभ्यास करता रहा है। ट्रम्प ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनके अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगता है कि चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा।

निराला नगर-डालीगंज में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, भीषण ठंड में बेघर हुए लोग

रेलवे की जमीन से 440 झोपड़ियां हटाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी के निराला नगर और डालीगंज इलाके में रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बसाई गई बस्तियों पर शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया। इस कार्रवाई में लगभग 440 झुग्गी-झोपड़ियां तोड़ दी गईं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इन बस्तियों में रह रहे लोगों को रोहिंग्या-बांग्लादेशी बताया जा रहा है। कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण हटाया नहीं गया, जिसके चलते सख्त कदम उठाना पड़ा। कार्रवाई विशेष रूप से निराला नगर और डालीगंज इलाके में की गई। रेलवे ट्रैक के बेहद पास बनी झोपड़ियों को तोड़ने के लिए पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी और रेलवे सुरक्षा अधिकारी मौके पर मौजूद थे। बुलडोजर के माध्यम से झोपड़ियों को ध्वस्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाया गया था। रेलवे प्रशासन ने बताया कि रेलवे की जमीन पर अवैध बस्तियां न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं बल्कि ट्रेनों के नियमित परिचालन में भी बाधा डालती हैं। रेलवे लाइन के पास बने झुग्गी-झोपड़ियों के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती थी। प्रशासन ने कहा कि अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और जो भी लोग रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निराला नगर और डालीगंज में अभियान

कार्रवाई विशेष रूप से निराला नगर और डालीगंज इलाके में की गई, जहां रेलवे ट्रैक के बेहद पास झुग्गियां बनी हुई थीं। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार के दुर्घटना या कानून व्यवस्था की समस्या से बचने के लिए यह आवश्यक कदम था।

स्थानीय प्रतिक्रिया और विवाद

हालांकि, बस्तियों में रहने वाले लोगों और कुछ स्थानीय सामाजिक संगठनों ने इस कार्रवाई की आलोचना की है। उनका कहना है कि प्रशासन ने उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराए बिना झोपड़ियां तोड़ीं। वहीं, रेलवे और पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया के तहत यह कदम उठाया गया है।

संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

प्रशासन और रेलवे अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई की। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे लाइन के किनारे लंबे समय से अवैध कब्जा करके झोपड़ियां बनाई गई थीं, जो न केवल रेलवे परिचालन के लिए खतरा थीं बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी गंभीर थीं।

> प्रशासन ने स्पष्ट किया कि रेलवे लाइन के पास अवैध बस्तियां सुरक्षा के लिहाज से गंभीर खतरा हैं। दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रेनों के परिचालन में बाधा न आए, इसके लिए अतिक्रमण हटाना जरूरी था। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और जो भी अवैध कब्जा करेगा।

रिटायर्ट अफसर से ₹90 लाख की ठगी

साइबर ठग बोले- मनी लॉन्ड्रिंग में फंस चुके हो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर जालसाजों ने वित्त विभाग से रिटायर्ड अफसर को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर 25 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इस दौरान उनसे 90 लाख रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। मामले की जानकारी होने पर उनके बेटे ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जालसाजों के खातों में मौजूद 15 लाख रुपए फ्रीज करा दिए हैं। साइबर थाना इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार यादव ने बताया- कानपुर रोड एलडीए कॉलोनी सेक्टर-जी निवासी अमरजीत सिंह (73) वित्त विभाग से रिटायर्ड अफसर हैं। उनके बेटे अमरप्रीत सिंह बेंगलुरु में नौकरी करते हैं। एक दिसंबर को अमरजीत सिंह को वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई साइबर क्राइम सेल का अफसर गिरीश कुमार बताया। जालसाज बोला कि अमरजीत सिंह मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल हैं। उनके खिलाफ मुंबई के साइबर थाने में मुकदमा दर्ज है और गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका है। विरोध करने पर उन्हें और पूरे परिवार को जेल भेजने की धमकी दी गई। वॉट्सऐप पर कोर्ट का फर्जी वारंट भेजा गया। जिसे देखकर बुजुर्ग अफसर डर गए। इसके बाद जालसाजों ने उनके बैंक खातों और आर्थिक स्रोतों की पूरी जानकारी ले ली।

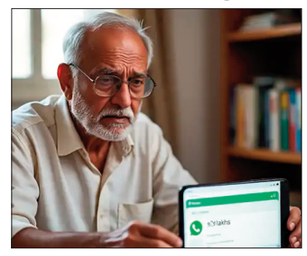

फास्ट न्यूज

ई-रिक्शा की टक्कर से 20 साल के लड़के की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में 20 साल के लड़के की मौत हो गई। मृतक की पहचान सचिन शर्मा के रूप में हुई है। वह हरदोई का रहने वाला था। यहां इलाके में सोलर पैनल लगाने का काम करता है। हंसखेड़ा स्थित सिंधी कॉलोनी में सुबह करीब 11 बजे सोलर पैनल लगाने जा रहा था। उसे एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने स्कूटी को टक्कर मार दी। वह घायल होकर वहीं गिर गया।

लव जिहाद के आरोपी डॉक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट

लखनऊ। KGMU में यौन शोषण और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन नाइक उर्फ रमीज मलिक के खिलाफ गुरुवार को गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने पुलिस के आवेदन पर यह आदेश जारी किया। लखनऊ पुलिस की 5 टीमें आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में दबिश दे रही हैं। हालांकि, 15 दिन बाद भी सफलता नहीं मिली है। इसी बीच गुरुवार को पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया गया। इस दौरान पीड़िता ने वही आरोप दोहराए जो उसने लिखित शिकायत में बताए थे। गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आता है तो उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंसिपल के बेटे की नशा मुक्ति केंद्र में मौत

वाराणसी। वाराणसी में नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत के बाद परिवार के लोगों ने हंगामा किया। मां ने कहा- मेरे बेटे की हत्या की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला शुक्रवार को सारनाथ के जन सुधार नशा मुक्ति केंद्र का है। युवक आदित्य बीएचयू से एंथ्रोपोलॉजी की पढ़ाई कर रहा था। जबकि मां प्रतिभा गोस्वामी जीजीआईसी सैयदराज, चंदौली की प्रिंसिपल हैं।

नए साल की दूसरे दिन जबरदस्त शीत लहर

तापमान 7 डिग्री पहुंचा, अगले 48 घंटे में गलन और बढ़ेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नए साल की सुबह ही धूप निकला जिससे ठंड से हल्की राहत मिली। उसके दूसरे दिन शुक्रवार 2 जनवरी की सुबह घना कोहरा छाया रहा। सुबह 7 बजे तक विजिबिलिटी 100 मीटर रही। मौसम विभाग के अनुसार दिन में धूप निकलेगी। अगले 48 घंटे में गलन और बढ़ जाएगी। नए साल की रात तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से -0.8 डिग्री कम रहा। वहीं, अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा जो सामान्य से 0.9 डिग्री ज्यादा रहा। आर्द्रता औसतन 87 दर्ज की गई। अगले 7 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। लखनऊ से आने-जाने वाली और यहां से होकर गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से पहुंचीं। गोरखधाम 12.50 घंटे देरी से पहुंची वहीं, तेजस 8 घंटे 55 मिनट लेट हुई। 12004 शताब्दी एक्सप्रेस 1 घंटा 48 मिनट, 12180 आगरा–लखनऊ इंटरसिटी 6 घंटे 10 मिनट, 13240 कोटा–पटना एक्सप्रेस 7 घंटे 44 मिनट, 14866 मरुधर एक्सप्रेस 3 घंटे 54 मिनट, 12226 कैफियात एक्सप्रेस 6 घंटे 37 मिनट, 15566 वैशाली एक्सप्रेस 5 घंटे 50 मिनट, 15734 फरक्का एक्सप्रेस 7 घंटे 7 मिनट, 12556 गोरखधाम एक्सप्रेस 12 घंटे 26 मिनट लेट हुई।

हनुमानजी के दर्शन किए, फिर दानपेटी चुराई

लखनऊ में चोरी से पहले 3 बार निहारा, पसीना पोंछा, उल्टा चला ताकि पीठ न दिखे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में प्राचीन शीतला माता मंदिर से दानपात्र चोरी हो गया। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो देखा कि दानपात्र गायब था। CCTV खंगाला गया तो चोरी करते एक युवक दिखाई दिया। वह सीधे दानपात्र के पास पहुंचा, लेकिन उसे छूने से पहले उसने हनुमानजी की ओर देखा। इसके बाद दानपात्र के ऊपर रखी सामग्री हटाई और फिर दानपात्र पकड़ते समय दोबारा हनुमानजी की ओर नज़र डाली। चोर ने एक बार पसीना पोंछा, कुछ क्षण सोचा और फिर दानपात्र उठा लिया। जाते वक्त वह तीन कदम उल्टे पांव चला, मानो भगवान की ओर पीठ न करना चाहता हो। बाहर निकलते समय उसने मुड़कर एक बार फिर हनुमानजी के दर्शन किए। मंदिर में चोर नंगे पांव पहुंचा था, ऐसा लग रहा कि वह बाहर जूते या चप्पल निकाल कर गया था। घटना कैंटोनमेंट सदर क्षेत्र की है। मामला नेहरू रोड स्थित प्राचीन माता शीतला देवी मंदिर का है। पुजारी ने CCTV फुटेज पुलिस को सौंपते हुए थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दानपात्र चोरी की शिकायत कैंट थाना पुलिस से की गई है। पुलिस को घटना से जुड़े CCTV फुटेज भी दिए गए हैं। इस मामले में थाना प्रभारी जसवीर कौर ने कहा- शिकायत मिली है। CCTV फुटेज के आधार पर दानपात्र चुराने वाले की तलाश की जा रही है। वीडियो फुटेज में आरोपी नाबालिग मालूम पड़ रहा है।

पीएम को सुनने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे।

> दानपात्र चोरी की शिकायत कैंट थाना पुलिस से की गई है। पुलिस को घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी दिए गए हैं। इस मामले में थाना प्रभारी जसवीर कौर ने कहा- शिकायत मिली है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दानपात्र चुराने वाले की तलाश की जा रही है।

15 सेकंड तक दानपात्र पकड़े रहा लेकिन उठाया नहीं

मंदिर के पुजारी पंडित प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया- चोर काफी कश्मकश में था। CCTV फुटेज में दिख रहा है कि वह दानपात्र पर करीब 15 सेकेंड तक हाथ लगाए रहा लेकिन उठाने की हिम्मत नहीं पड़ रही थी। इस बीच उसने एक बार पसीना भी पोंछा। फिर अंत में हनुमानजी को देखते हुए दानपात्र उठा लिया। बाद में जाते हुए भी घूमकर दर्शन करते हुए गया।

दानपात्र के ऊपर रखी सामग्री आहिस्ते से उठाई

चोर ने दानपात्र के ऊपर रखी सामग्री आहिस्ता-आहिस्ता उठाई। उसने पहले सिंदूर का कटोरा आराम से हटाकर नीचे रखा। इसके बाद जल रहे दीपक को भी यह कोशिश कर नीचे रखता दिखा कि वह बुझने न पाए। इसके बाद माचिस नीचे रखी। एक लाल वस्त्र रखा था, उसे भी आराम से हटाया। फिर देर तक दानपात्र थामे खड़ा रहा।

इंडिगो ने यात्रियों को बस से वाराणसी भेजा

लखनऊ। चेन्नई से वाराणसी जा रही इंडिगो की एक उड़ान को खराब मौसम के कारण लखनऊ डायवर्ट किया गया। लखनऊ पहुंचने के बाद एयरलाइन ने उड़ान को निरस्त करना पड़ा। यहां से यात्रियों को दो बसों के जरिये वाराणसी भेजने की व्यवस्था की गई। 30 दिसंबर की सुबह वह बस लखनऊ से निकलते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उसके बाद यात्रियों की सुरक्षा और एयरलाइन प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। यात्रियों का आरोप है कि बस चालक नशे में थे और घने कोहरे के बावजूद तेज रफ्तार में वाहन चला रहे थे। यात्रियों ने कई बार सुरक्षित और धीमी गति से चलने की अपील की, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। सबसे अहम बात यह रही कि पूरी व्यवस्था के दौरान इंडिगो का कोई प्रतिनिधि मौके पर मौजूद नहीं था। यात्रियों के अनुसार 30 दिसंबर की सुबह करीब पांच बजे बस हादसे का शिकार हो गई। कड़ाके की ठंड में यात्री घंटों हाईवे पर खड़े रहने को मजबूर रहे। बाद में 100 से अधिक यात्रियों को उनके सामान के साथ दूसरी बस में ठूंस दिया गया, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को खासा संकट झेलना पड़ा।

गोमती नदी में जल्द शुरू होगी वाटर मैट्रो कार्यवाही प्रक्रियाधीन

अधिकारी परियोजना से संबंधी आवश्यक कार्यवाही में लाए तेजी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 के ड्रीम प्रोजेक्ट जल परिवहन के संबंध में आज उ0प्र0 के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह के सरकारी आवास 9 कालीदास पर कोच्चि मैट्रो के निदेशक श्री संजय कुमार से वार्ता हुई। लखनऊ में गोमती नदी में वाटर मैट्रों के संचालन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में गोमती नदी में वाटर मैट्रो चलाने में क्या संभावनाएं हैं, इसकी तकनीकी व्यवहारिकता अध्ययन संबंधी रिपोर्ट निदेशक श्री संजय कुमार ने प्रस्तुत की। परिवहन मंत्री ने बताया कि उ0प्र0 के तीन महत्वपूर्ण स्थानों की तकनीकी व्यवहारिकता अध्ययन रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। लखनऊ के गोमती नदी में वाटर मैट्रो के संचालन हेतु कार्यवाही चल रही है। इसके बाद मथुरा में यमुना नदी में आगरा से यमुना तक, गोरखपुर में रामगढ़ ताल, बलिया में सुरहा ताल एवं गंगा नदी में संचालन की कार्यवाही को आगे बढ़ाया जायेगा। उन्हांेने बताया कि यहां की जनता को सुविधाएं प्राप्त होगी। साथ ही पर्यटन की दृष्टि से एवं आर्थिक उपार्जन की दृष्टि से उपयोगी होगा। जल परिवहन का विकास जनता के मनोरंजन की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी होगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि सर्वप्रथम नेवीगेशनल एड की कार्यवाही होगी। इन्टीग्रेटड टैªफिक मैनेजमंेट सिस्टम, पैसेंजर काउन्टिंग सिस्टम, पर्यावरणीय व्यवस्था, सोशल इंपैक्ट स्टडी, टर्मिनल, जेट्टी, रोड कनेक्टिविटी पोन्टुन, आटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी), इलेक्ट्रिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर (11 केवी हाईटेंशन लाईट), वोट चार्जर, हायर प्रोटेक्शन सिस्टम, एचवीएसी के अध्ययन के उपरान्त एक डीपीआर तैयार होती है। उसके बाद अनुमानित लागत का निर्धारण करने के पश्चात सरकार या प्राधिकरण अलग-अलग कार्यों हेतु निविदा का आमंत्रण करेगा। निविदा आमंत्रण के पश्चात चयन की कार्यवाही की जायेगी। जिससे कि उक्त परियोजना को धरातल पर लाया जा सके। परिवहन मंत्री ने इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस संबंध में जो भी आवश्यक कार्यवाही है, उसमें तेजी लाई जाए। जिससे कि मा0 मुख्यमंत्री जी के उक्त ड्रीम प्रोजेक्ट पर कार्यवाही तेज हो सके। जिसका लाभ जनता को यथाशीघ्र प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिये कि परियोजना से संबंधित होने वाले व्यय का विवरण उपलब्ध कराये, जिससे शासन से बजट आवंटन की व्यवस्था कराई जा सके।

0000: 16 शव पहुंचे ■ 3 डॉक्टरों की ड्यूटी ■ दोपहर तक सिर्फ 1 पहुंचे, सीएमओ से बोले- सॉरी सर

कानपुर पोस्टमॉर्टम हाउस में शवों की लाइन लग गई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर पोस्टमॉर्टम हाउस पर शुक्रवार को लाशों की लाइन लग गई। परिजन पोस्टमॉर्टम के इंतजाम में घंटों बैठे रहे। इधर-उधर दौड़ते रहे। लेकिन, डॉक्टर ही नहीं पहुंचे तो पोस्टमॉर्टम कैसे हो। शुक्रवार सुबह 10 बजे से तीन डॉक्टरों की ड्यूटी थी। मगर, सिर्फ एक डॉक्टर पहुंच सकीं। बाकी दो डॉक्टर दोपहर 2 बजे तक पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे ही नहीं। पोस्टमॉर्टम हाउस में 16 शव पहुंच चुके थे। कोई सुनवाई न होने पर परिजनों ने हंगामा किया। इसी बीच किसी ने CMO से फोन पर शिकायत कर दी। CMO ने भी फोन पोस्टमॉर्टम हाउस के प्रभारी को लगा दिया। वजह पूछी तो प्रभारी ने बताया, 'साहब डॉक्टर ही नहीं आए।' CMO ने ड्यूटी के बावजूद दोपहर 2 बजे तक न पहुंचने वाले दो डॉक्टरों को फोन किया। डॉक्टरों ने कहा- सॉरी सर, थोड़ी देर में पहुंच रहे हैं पीड़ित परिजन अपने-अपने शवों के इंतजार में घंटों ठंड में ठिठुरते रहे। परिजन कार्यालय आकर फार्मासिस्ट से जानकारी करने लगे, जिस पर फार्मासिस्ट ने डॉक्टरों के न आने की जानकारी दी। परिजन गुस्सा गए। इसके बाद उन्होंने पोस्टमॉर्टम हाउस प्रभारी डॉ. नवनीत चौधरी से शिकायत की। उन्होंने डॉक्टरों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन ड्यूटी पर न पहुंचने वाले दोनों डॉक्टरों ने फोन ही नहीं उठाया। इसके बाद CMO ने ड्यूटी पर तैनात डॉ. आशीष और डॉ. मुन्नालाल को फोन किया। उन्हें फटकार लगाई।

> चकेरी के मृतक प्रशांत के ताऊ जयकरन ने कहा- घंटों से यहां इंतजार कर रहे हैं। कोई कुछ बता नहीं रहा। किसी स्टाफ से कुछ पूछो तो सब इधर-उधर टरकाते रहे। बिठूर के मृतक रोहित त्रिपाठी के बहनोई अरुण ने कहा- कब पोस्टमॉर्टम होगा, कोई बता नहीं रहा। किसी भी स्टाफ से पूछो तो मुंह फेर ले रहें।

पोस्टमॉर्टम हाउस में 16 डेडबॉडी पहुंचीं, डॉक्टर सिर्फ 1 रहे

बात दें कि भीषण ठंड में अलग–अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों और अन्य कारणों से हुई मौतों के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस में शुक्रवार सुबह से भीड़ जुटने लगी। दोपहर 2 बजे तक कोतवाली, साढ़, सजेती, छावनी, बाबूपुरवा, कर्नलगंज, चौबेपुर, महाराजपुर, स्वरूप नगर थाना क्षेत्रों से 16 शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे।

डॉ. आशीष और डॉ. मुन्नालाल दोपहर तक नहीं पहुंचे

शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम हाउस में घाटमपुर CHC में तैनात डॉ. चित्रा, उर्सला में तैनात डॉ. आशीष और डॉ. मुन्नालाल की ड्यूटी लगाई गई थी।

पोस्टमॉर्टम के इंतजार में परिजन ठंड में बाहर बैठे हैं।

सीएमओ ने दो डॉक्टरों को फटकारा, बोले- सॉरी सर

इधर-उधर भटक रहे परेशान परिजनों ने CMO डॉ. हरिदत्त नेमी से फोन कर शिकायत की। इस पर उन्होंने पोस्टमॉर्टम हाउस प्रभारी से फोन किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में 12वीं तक ...

इससे ठिठुरन बढ़ गई है। शुक्रवार सुबह कानपुर, गोरखपुर, झांसी समेत 30 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगह विजिबिलिटी शून्य से 10 मीटर तक सिमट गई। राजधानी लखनऊ में दोपहर 3 बजे तक धूप के दर्शन नहीं हुए। ठंड हवाओं की वजह से गलन बढ़ गई। इससे लोग ठिठुरते नजर आए। एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक विमान ने आसमान में 17 चक्कर काटे। घने कोहरे के कारण लैंडिंग नहीं हो पाई। आखिर में उसे दिल्ली के लिए डायवर्ट करना पड़ा। गोरखपुर समेत तमाम शहरों में 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट चल रही हैं। 10 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हैं, जबकि कई देरी से उड़ान भर रही हैं। ठंड के चलते कानपुर में दिल के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। कार्डियोलॉजी में हार्टअटैक के 65 मरीज भर्ती हुए। हैलट इमरजेंसी में ब्रेन स्ट्रोक के 15 मरीज आए। फतेहपुर में ठंड से एक मजदूर की मौत हो गई। कोहरे के चलते इटावा में दो ट्रकों की टक्कर हो गई। हादसे के बाद ट्रक में आग लग गई। जिससे ड्राइवर केबिन में फंसकर जिंदा जल गया।

दुर्भाग्य से हमारे...:

या कम से कम आपके लिए नुकसानदायक नहीं है तो इसमें परेशानी नहीं है। जहां भी अच्छे पड़ोसी होने की भावना होती है, भारत निवेश करता है, भारत मदद करता है, भारत शेयर करता है।' विदेश मंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा, और इस तरह की चालों से जमीन पर कुछ भी बदलने वाला नहीं है। शंघाई एयरपोर्ट पर चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों के अरुणाचल प्रदेश की एक महिला के परेशान करने को लेकर जयशंकर ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि हमने असल में इसका विरोध किया, और हमने यह बात भी साफ कर दी कि इस तरह की हरकतें करने से असल में कुछ भी बदलने वाला नहीं है।

पत्नी से खर्चे का ...

जहां कई घरों में पुरुष आर्थिक जिम्मेदारी अपने हाथ में रखते हैं, लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। तेलंगाना में एक पति-पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। पत्नी ने पति और उसके परिवार पर क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मार्च 2023 में एफआईआर दर्ज करा दी। महिला का कहना था कि पति घर के पैसों पर पूरा नियंत्रण रखता था, उससे खर्चों का हिसाब मांगता था और आर्थिक फैसलों में उसे बोलने का मौका नहीं देता था। इसी आधार पर उसने आपराधिक केस कर दिया। यह मामला अप्रैल 2023 तेलंगाना हाईकोर्ट गया, जहां हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पति सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मामले में सुनवाई की। ऐसी बातें पति के स्वभाव और सोच पर सवाल खड़े करती हैं, लेकिन सिर्फ इन्हीं वजहों से उसे IPC की धारा 498 A या आपराधिक क्रूरता का दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

जहरीले पानी से ...

उस स्थान के ऊपर एक शौचालय बना हुआ है। उनका कहना है कि इसी रिसाव के कारण इलाके की जलापूर्ति दूषित हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा- इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की। फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई, जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने बताया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट गुरुवार को आई। इसमें बताया गया कि यह पानी पीने योग्य नहीं है। सैंपल में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक पानी में हैजा फैलाने वाला विब्रियो कोलेरी भी मिला है, लेकिन सरकारी तंत्र इसे अब भी प्रारंभिक रिपोर्ट कहकर टाल रहा है। नगर निगम ने भी खुद की लैब में करीब 80 सैंपल्स भेजे थे। जांच रिपोर्ट में इन सैंपल्स को 'अनसेटिस्फेक्ट्री' बताया गया है। भागीरथपुरा से लिए गए पानी के सैंपल पीने और अन्य घरेलू उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं था। हालांकि दोनों रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बीजेपी विधायक ...

बड़ी बेटी शिल्पा ग्वाल, कैंटोनमेंट बोर्ड रक्षा में संपदा अधिकारी है। छोटी बेटी शिवानी ग्वाल, मुंबई RBI में कार्यरत हैं। बेटा ईशान ग्वाल दिल्ली में UPSC की पढ़ाई कर रहा है। पत्नी मंजुलता बेसिक शिक्षा विभाग में टीचर हैं। वर्तमान में वे बरेली की महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड यूनिवर्सिटी में प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष थे।

सुरेंद्रनगर के पूर्व ...

ईडी की जांच में पता चला है कि इस जमीन के सर्वे नंबर में कई नाम जोड़े गए थे सर्वे में नाम जोड़ने के लिए रिश्वत ली जा रही थी। ईडी की जांच में सर्वे में जोड़े गए कई नामों का खुलासा हो सकता है। इसके बाद ईडी ने सुरेंद्रनगर कलेक्टर राजेंद्र पटेल के घर पर भी छापेमारी की थी। इसमें पता चला था कि कलेक्टर इसी जमीन से जुड़ी फाइलें घर ले जाते थे। उनके बंगले से ऐसी 100 फाइलें जब्त की गईं थीं। राजेंद्र पटेल के नाम पर 5 करोड़ से अधिक की संपत्ति होने की बात भी सामने आई है।

बहराइच में 9वें भेड़िए को वन विभाग ने मार गिराया

आबादी की ओर बढ़ते ही वन टीम ने भेड़िये को गोली मार दी

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। बहराइच जिले में आदमखोर भेड़ियों के आतंक के बीच गुरुवार देर शाम वन विभाग को एक और बड़ी सफलता मिली। कैसरगंज वन रेंज में गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने 9वें भेड़िए को मार गिराया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान भेड़िया जैसे ही आबादी की ओर बढ़ा, वन विभाग के शार्प शूटर ने उसे गोली मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गुरुवार शाम रेंजर ओंकार यादव अपनी टीम के साथ कैसरगंज वन रेंज के भिरगू पुरवा गांव के पास नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान झाड़ियों के बीच एक भेड़िया दिखाई दिया। टीम ने पहले उसे घेरकर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन भेड़िया अचानक गांव की दिशा में बढ़ने लगा। हालात की गंभीरता को देखते हुए शूटर को अलर्ट किया गया और तत्काल गोली चलाने का फैसला लिया गया। कैसरगंज और आसपास के इलाकों में सितंबर से दिसंबर के बीच आदमखोर भेड़ियों के हमलों ने पूरे जिले को दहशत में डाल दिया था। इन हमलों में अब तक 11 मासूम बच्चों समेत कुल 13 लोगों की मौत हो चुकी है। गांवों में शाम ढलते ही सन्नाटा पसर जाता था, लोग बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे थे। लगातार हो रही मौतों के बाद मामला शासन स्तर तक पहुंचा। 9वें भेड़िए के मारे जाने के बाद गांवों में कुछ हद तक राहत जरूर है, लेकिन लोगों का कहना है कि जब तक आखिरी भेड़िया पकड़ा या मारा नहीं जाता, तब तक चैन नहीं मिलेगा। वन विभाग का दावा है।

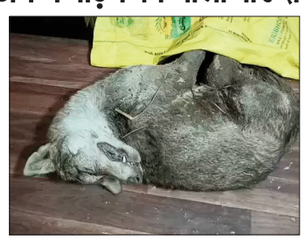

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676